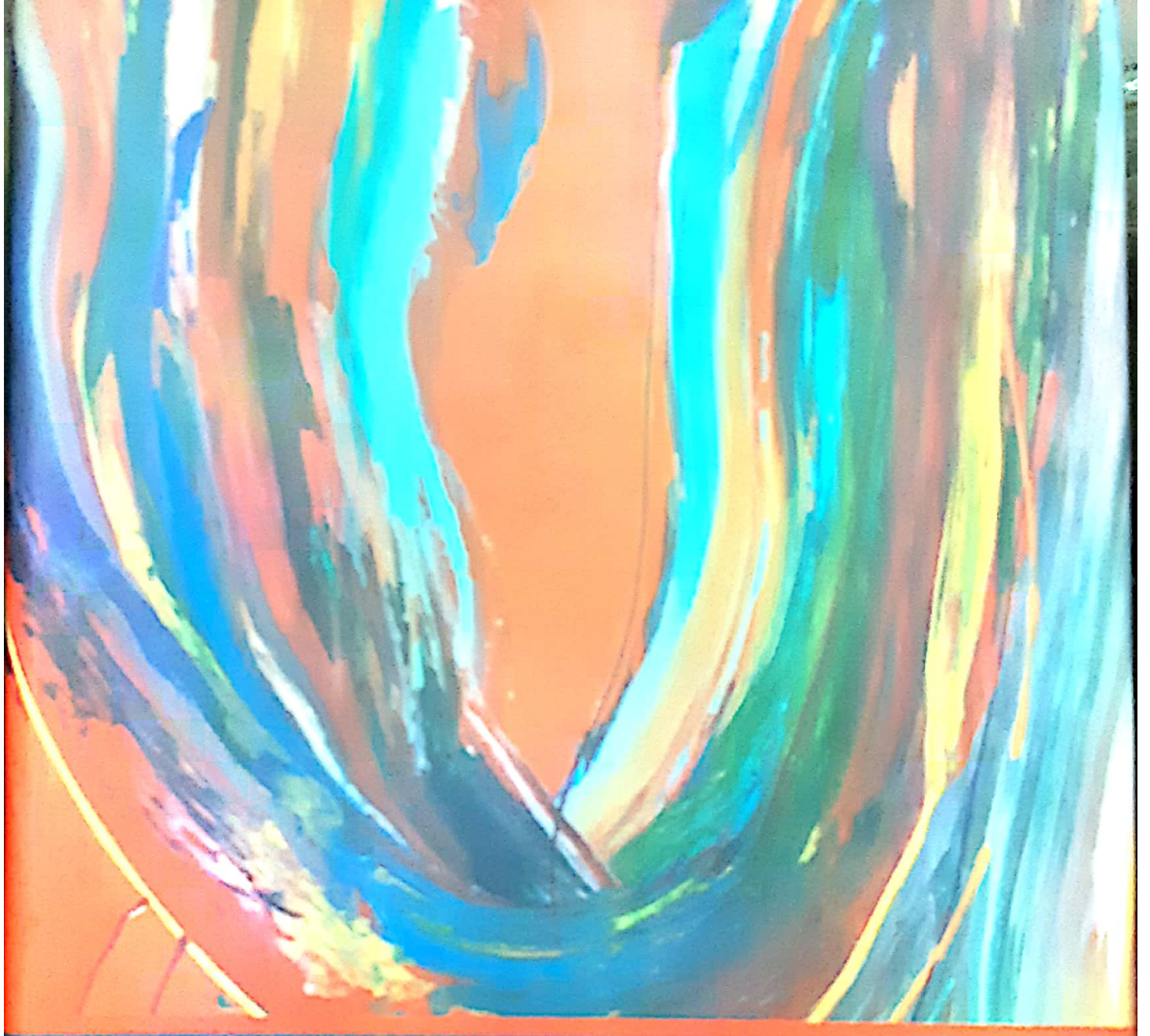




बुन्देली लोक साहित्य वैश्वीकरण एवं मानव मूल्य

डॉ. राजेन्द्र यादव

बुन्देली लोक साहित्यः वैश्वीकरण एवं मानव मूल्य

डॉ. राजेन्द्र यादव

बी.एस. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
दिल्ली

प्रकाशक
बी.एस. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
59, गली नं. 7, बलबीर नगर एक्सटेंशन, दिल्ली-110032
फोन : 011-22822514; 9910189445
Email : rajceev02sharma@gmail.com

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2016

ISBN : 978-93-83630-10-3

मूल्य : 395/-

मुद्रक

विकास कम्प्यूटर एण्ड प्रिंटर्स,
ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद-2011012

अनुक्रम

आमुख	7
1. लोक साहित्य की अवधारणा	13
2. बुन्देली लोक संस्कृति और वैश्वीकरण	31
3. बुन्देली भाषा-संस्कृति, इतिहास के अस्तित्व का संकट	49
4. बुन्देली लोक साहित्य: जनसंचार माध्यम	55
5. बुन्देली लोक साहित्य के प्रमुख आख्यान	68
6. बुन्देली लोक साहित्य के विविध आयाम	80
7. बुन्देली लोक साहित्य में समाज एवं संस्कृति	100
8. बुन्देली लोक साहित्य में मानव मूल्य और संवेदनाएँ	118
9. अन्त में!	135
सहायक ग्रंथ	143